



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

सामग्रीकार एवं ब्राह्मण

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 21]

नई दिल्ली, दुस़हारा, जनवरी 25, 1980/माघ 5, 1901

No. 21]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 25, 1980/MAGHA 5, 1901

इस भाग में चिन्ह पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असम संकलन के क्षय में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

सामग्र्य एवं जागीरक आपूर्ति मंचालय

(बाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना संख्या 3—झाईटीसो (पीएन)/80

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1980

विषय:- 1979-80 के लिए जापान अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से (क) सिचाई सुविधाओं के निर्माण के लिए मरीनरी और (ख) भारत में पतनों पर मरीनरी के यातायात के लिए आवश्यक सेवाओं का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस जारी करने में लागू होने वाली शर्तें।

मिसिल सं० झाईटीसो/39/18/78.—1979-80 के लिए एक भरव येन (1,00,00,00,000 येन) के लिए जापान अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से (क) सिचाई सुविधाओं के निर्माण के लिए मरीनरी और (ख) भारत में पतनों पर मरीनरी के यातायात के लिए आवश्यक सेवाओं का आयात करने के लिए लागू शर्तें जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, वे जारीकारी के लिए अधिसूचित की जाती हैं।

सौ० बैंकटरमन, मुख्य नियन्त्रक, आयात-नियंत्रित

बाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना संख्या—3-झाईटीसो (पीएन)/80
दिनांक 25-1-1980 का परिशिष्ट

1979-80 के लिए एक भरव येन (1,00,00,00,000 येन) के लिए जापान अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से (क) सिचाई सुविधाओं के निर्माण के लिए मरीनरी और (ख) भारत में पतनों

पर मरीनरी के यातायात के लिए आवश्यक सेवाओं का आयात करने के लिए लाइसेंस जारी करने के लिए शर्तें।

खण्ड 1: सामान्य शर्तें :

1(1) 1979-80 के लिए एक भरव येन (सामान्य भावा) के लिए जापान अनुदान सहायता का मरीनरी, सहायक उपकरण, फालतू पुर्जे और भारत में पतनों पर उनके यातायात के लिए आवश्यक सेवाओं का आयात करने के लिए जापानी संभरकों की वित्तीय भुगतान के क्षय में उपयोग में लेने का विवार है।

1(2) आयात लाइसेंस आयातक के नाम में 1.055 भरव येन (सामान्य भावा) तक की कुल बनराशि के लिए जारी किए जाएं, और उसमें "1979-80 के लिए एक भरव येन जापान अनुदान सहायता" का प्रत्यय लिखा होना चाहिए। 1.055 भरव येन की कुल बनराशि में से, 550 लाख येन भारतीय रुपए में वेत्य भारतीय अभिकरण के कमीशन के लिए है। पहले और दूसरे प्रत्यय के लिए लाइसेंस कोड "एस/जे/एन" होगा।।।

1(3) ऐक खर्चों को छोड़कर, ऐक प्रांक इनिज्या, टोकियो की आयात लाइसेंस के मद्दे विवेची मुद्रा की कोई भी व्रेष्ण जो कि सामान्य प्रक्रिया प्रणाली के माध्यम से किया जा सकता है, व्रेष्ण करने, की भनुमति नहीं होगी, भारतीय अभिकर्ता के कमीशन के प्रति भुगतान, यदि कोई हो तो, भारत में अभिकर्ता की भारतीय रुपए में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसा भुगतान लाइसेंस के मूल्य का एक भाग होगा और इसलिए लाइसेंस के लिए किया जाएगा।।।

1(4) इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत मरीनरी, सहायक उपकरण और फालतू पुर्जे के बल जापान से ही अधिप्राप्त किए जाने चाहिए।

(5) आयात लाइसेंस प्रारम्भिक वैधता 31-3-1980 तक लागत बीमा-भाड़ा के आधार पर जारी किए जाएंगे। यदि लाइसेंसधारी को और अवधि वृद्धि की आवश्यकता हो तो आयात लाइसेंस की वैधता प्रवधि में वृद्धि की मांग करने समय लाइसेंसधारी को इस श्रीखित्य और स्पष्टता के साथ मूल्य नियन्त्रक, आयात-नियंत्रित को प्रस्ताव भेजना चाहिए कि प्रारम्भिक वैधता प्रवधि के बीच लदान एवं भुगतान पूर्ण बनें नहीं हो सके। मूल्य नियन्त्रक, आयात-नियंत्रित को ऐसे अनुरोधों को बिना किसी परिवर्तन के अवधि संचित (टी० सी०) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली के विचारार्थी भेजना चाहिए।

(6) संविदा में नकद आधार पर अर्थात् भारतीय बैंक, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पोतलदान दस्तावेज प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था हीनी चाहिए। इसमें निम्नलिखित रूप में माल छुड़ाई की प्रवधि की भी व्यवस्था हीनी चाहिए “15-3-1980 तक माल छुड़ाने का कानून पूरा किया जाना है।”

(7) संविदा का मूल्य (केवल लागत और भाड़ा) के आधार पर ये न में अधिक्षमक होना चाहिए। (ये न का अंश छोड़ देता चाहिए) और यदि बोर्ड ही तो उसमें भारतीय अधिकर्ता का कफीशत नहीं आमिल होना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में संविदा का मूल्य किसी अन्य मुद्रा में अधिक्षमक नहीं होना चाहिए। जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत बीमा और भाड़े की धनराशि को भ्रातृपति से दिलायी जानी चाहिए, किन्तु संविदा में स्वयं ही यह स्पष्ट होना चाहिए कि भाड़े का भुगतान वास्तविक आधार पर किया जाएगा अवश्य उसमें वर्णया गया भाड़े का खर्च वास्तविक खर्च के प्रतिस्तित होगा।

(8) ऋथ संविदा में केवल जापानी राष्ट्रिकों अधिकार जापानी क्षेत्राधिकार के व्यक्ति भाग ले सकते हैं उसका नियन्त्रण भी जापानी राष्ट्रिकों द्वारा हीना चाहिए। प्रत्येक संविदा के साथ संभरक की पालना को वशनि वाला एक प्रमाणपत्र (दो प्रतियों में) भी संलग्न होना चाहिए।

खण्ड-2 : संभरण संविदा में निम्नलिखित गते विशिष्ट रूप से शामिल होनी काहिए :

(1) 1979-80 के लिए एक भ्रव ये न अनुवान सहायता से संबंधित संविदा 5 नवम्बर, 1979 के समानौरों के अनुसार भारत और जापान की सरकार के बीच व्यवस्थित की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन से हीनी।

(2) संभरक को भुगतान छुकाने के लिए प्राधिकार (ए/पी) के माध्यम से होता जो 1979-80 के लिए जापानी अनुवान सहायता के प्रतिशत बैंक आफ इंडिया, टोकियो के नाम में सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियन्त्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, य० सी० एम० बैंक विलिंग, पालियार्मेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

(3) जापानी संभरक ऐसी जानकारी और दस्तावेज भेजने के लिए सहमत हीता ही जो एक और भारत सरकार और दूसरी और जापानी सरकार द्वारा अपेक्षित हैं।

(4) जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श से लदान प्रबंध करने के लिए सहमत ही और यह कि संभरक इस प्रयोजन के लिए भारतीय दूतावास, टोकियो को माल के वितरण से संबंधित जानकारी देगा और भारतीय दूतावास को अपेक्षित लदान के विषय में कम से कम चार सप्ताह पूर्व मधिष्ठानित कर देगा जिससे कि उपर्युक्त प्रबंध किए जा सकें। विशिष्ट मामलों में जहाँ आयातक आवश्यक समझे, सूचना की यह अवधि कम की जा सकती है। जापानी संभरक को प्रत्येक लदान के पश्चात आयातक को तार से सूचना देने के लिए सहमत हीता चाहिए और आवश्यक और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजनी चाहिए।

खण्ड-3 : भारत और जापान की सरकारों द्वारा संविदा का अनुमोदन :

(1) जैसे ही आवेश का अंतिम रूप दिया जाए आयातक को चाहिए कि यह दोनों पार्टियों द्वारा विवित हस्तांशित संविदा की 4 प्रतियों अवश्य जापानी संभरक द्वारा लिखित पृष्ठ आवेश से समर्पित जापानी संभरक की सम्पूर्ण भारतीय आयातक द्वारा प्रस्तुत क्रम आवेश अवधा सभी तरह से पूर्ण उनकी फोटो प्रतियों और उनके साथ अनुबंध-1 के रूप में “ए/पी जारी करने के लिए अनुरोध” की दो प्रतियों पर अवधि संचित (टी० ए०) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली को भेजें।

उपर्युक्त कियाविधि सभी संविदा संशोधनों में भी लागू हीनी जिससे संविदा की विषय सूची और इसके मूल्य में आवश्यक संशोधन होंगे।

(2) वित्त मंत्रालय (टी०ए०) टी०सीएम अनुभाग-1979-80 के लिए एक भ्रव ये न की जापानी अनुवान सहायता के प्रतीक्षित वित्तदान के लिए उनकी अनुमति के लिए जापान की सरकार को संविदा की दो प्रतियों भेजने का प्रबंध करेगा और साथ ही साथ उपर्युक्त (1) में दिए गए दस्तावेजों का एक सेट भी सहायता लेखा और लेखा परीक्षा नियन्त्रक को भेजा जाएगा।

(3) जापान की सरकार से संविदा का अनुमोदन प्राप्त होने पर आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लाक का टी० सी० एम० अनुभाग सहायता लेखा और लेखा परीक्षा नियन्त्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, य० सी० ओ बैंक विलिंग, पालियार्मेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 को उसकी सूचना देगा जो जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए अनुबंध 2 के प्रपत्र में बैंक आफ इंडिया, टोकियो को (ए/पी) “भुगतान करने का प्राविकार” जारी करेगा। ए/पी की प्रतियों भारतीय दूतावास, टोकियो, आयातक, भारत में आयातक के बैंक और टी० सी० एम० अनुभाग आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएगी।

(4) (ए/पी) के भुगतान का प्राविकार प्राप्त होने पर बैंक आफ इंडिया, टोकियो, जापान सरकार, भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियन्त्रक को सूचना देते हुए जापानी संभरक को इस प्राप्ति के तथ्य की सूचना देगा।

(5) जापानी संभरक लदान के पश्चात् भारते बैंकर के माध्यम से ए/पी में विनिर्दिष्ट दस्तावेजों को बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो संभरक को दस्तावेज में विनिर्दिष्ट राशि रिहा करेगा।

(6) जापानी संभरक के लिए भुगतान की व्यवस्था करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो की देश बैंक प्रभार भारत में आयातक के संबंधित बैंक द्वारा तथ्य किए जाएंगे, ये भारतीय सरकार के लेखों को प्रभावी किए जिन सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से बैंक आफ इंडिया टोकियो की प्रेषण द्वारा भेजे जाएंगे।

खण्ड-4 : व्यवहार जमा करने के लिए उत्तराधिकार :

(1) मूल प्रकाराम्ब लदान वस्तावेज निरपेक्ष रूप से बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा आयातक के सम्बन्धित भारतीय बैंक जो, भारतीय स्टेट बैंक की एक शाखा हीनी, जैसा कि अनुबंध-1(पी) में दिया गया है, को अप्रेषित किए जाएंगे, जो सम्बन्धित आयातक का इन दस्तावेजों का परकार्य स्टेट बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट व्याज प्रभारों के साथ जापानी संभरक द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो से किए गए भुगतान की तिथि से आस्तविक रूपया जमा करने की तिथि तक पहले तीस दिनों के लिए 9% व्याज की वार्षिक दर पर अधिक समय के लिए 15% व्याज की वार्षिक दर पर परिगणित व्याज प्रभारों के साथ जापानी संभरक को दिए गए ये न भुगतान के बाए के वरावर रूपया सर्वजनिक सूचना संखा-46 भारतीय (पीएन)/76 विनाक 16-6-76 के अनुसार भारत सरकार के लेखे में जमा किया गया है। दोनों दिनों वार्षिक अनुपात जिस वित्त जापानी संभरक

को भुगतान किया गया है और जिस दिन सरकारी लेखे में धन्यवाच जमा किया गया है, के स्थान का भुगतान किया जाएगा। सार्वजनिक सूचना संख्या-103 आईटीसी (पीएन) /76 दिनांक 12-10-1976 के प्रतिरक्षित सार्वजनिक सूचना संख्या 74 आईटीसी(पीएन) /74 दिनांक 31-5-74 देखिए। येन भुगतान के समतुल्य रूपए की गणना के लिए अपनाई गई मुद्रा विनियम दर मुद्रा विनियम की प्रवलित मिश्रित दर होगी जैसा कि मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित की सार्वजनिक सूचना संख्या-8 आईटीसी(पीएन) /76 दिनांक 17-1-1976 में दराया गया है अथवा जो समय-समय पर सरकार द्वारा मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित की सार्वजनिक सूचनाओं अथवा भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यमिक परिपंजी के माध्यम से अधिसूचित किया जाता है। इस संबंध में और अब जी की दर के संबंध में जैसे ही और जब भी किसी परिवर्तन की आवश्यकता होगी अधिसूचित किया जाएगा। समझ भारतीय बैंक का यह उत्तरवाचित होगा कि वह यह सुनिश्चित करे कि आयात सम्बन्धी दस्तावेज़ आयातकों को सौंपते से पहले देय राशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा करा दी गई है। लाइसेंसधारी को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि अपने बैंकों से दस्तावेज़ लेने से पहले देय राशि सरकारी लेखे में ठीक प्रकार से जमा करा दी गई है। लेकिन यार्ड जिसमें उपर्युक्त रूपया जमा करना चाहिए वह “कै-डिपोजिट एड एडवांसिंज-843 सिविल डिपोजिट फार परवेंज एटमट्रा, एडोड-परवेज अन्डर ग्रान्ट ऐड कोम दि गवर्नरेंट ब्राफ जापान” फार 1978-79 ग्रान्ट फार परवेज आफ दि ग्रुइ/सर्विसिज फार कन्स्ट्रक्शन ब्राफ इरोगेशन फसिलीज है।

(4) ऊपर बताई गई धनराशि नकद में सरकार के खाते में जमा भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली मध्यवा भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में जमा करानी चाहिए अथवा यदि यह समझ न हो, तो भारतीय स्टेट बैंक मध्यवा इसकी सहायक भाष्याओं अथवा किसी एक राज्यीयकृत बैंक (झावर) से प्राप्त किमान झाफ्ट जो सरकार के लेखे में जमा करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी बांध, दिल्ली-८ (झावी एड पैर) के नामी में हों, के माध्यम से परेंपित की जानी चाहिए। जैसा कि सार्वजनिक सूचना संख्या-184, दिनांक 30-8-1968 संख्या-233-आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-1968 और संख्या-132 आईटीसी (पीएन)/71 दिनांक 5-10-1971, संख्या-74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-1974 और संख्या-103-आईटीसी (पीएन)/76 दिनांक 12-12-1976 में बताया गया है।

(5) भारत में समझ बैंक भी ऊपर बताए गए तरीके से ऐसी प्रतिरक्षित धनराशि भेजेगा जिसके लिए भारत सरकार देवा प्रभार के नियमित ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर अनुबोध करें। भालात में विभिन्न कालम भरते समय आयातकों/उनके बैंकरों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना संख्या-103 आईटीसी (पीएन)/76 दिनांक 12-10-1976 के साथ यही जाने वाली सार्वजनिक सूचना संख्या-132-आईटीसी (पीएन)/71 दिनांक 5-10-1971 और सार्वजनिक सूचना संख्या-74-आईटीसी (पीएन)/74 दिनांक 31-5-1974 के पैरा-२ में निर्धारित जानकारी, प्रेषक के जालान में “पूर्ण और और प्राप्तिकारी (यदि कोई हो तो)” के कालम में प्रतिरक्षितीय रूप से दर्शाए गए हैं। निम्नलिखित यही खालान में प्रतिरक्षितीय रूप से भेजे जाने चाहिए:—

- (क) विस्त मंत्रालय “ए/पी” (भुगतान करने का प्राप्तिकार) सं० और दिनांक
- (ख) येन मुद्रा की यह धनराशि जिसके सम्बन्ध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ नियोप किए जाने हैं।
- (ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि,
- (घ) कुकाए गए म्याल की धनराशि और वह प्रधारि जिसके लिए यह गिना गया है।
- (इ) जमा की गई कुल धनराशि
(अब जी की गणना जापानी संभरक को भुगतान की तिथि से सरकारी लेखे में समतुल्य रूपया जमा करने की तिथि तक की प्रधारि के लिए की जानी है।)

उसके पश्चात् सीएए द्वारा जारी किए गए प्राप्तिकार पत्र का संहर्म के हुए और जीक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए

भुगतान चालान रूपया जमा करने का साथ देते हुए पंजीकृत ब्राक द्वारा सीएए को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:—

भारत में अधातक के बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उस का नियेप बैंक भ्राक इडिया, टोकियो से अवायगी की सुविधा और अपरिवर्तनीय पीत लशन दस्तावेजों को प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर लियवाल रूप से किया जाना चाहिए। और यह कि इन्हें वक्तव्य बाब संग्रह एवं वित मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिनांक को सुचित कर दिया जाएगा।

(4) भारत में सम्बद्ध बैंक भ्राक इडिया जो लाइंसेन की मुद्रा विनियम विवरण प्रति पर दस्ता नियोप को धारात्रि का पृष्ठोन करता चाहिए और अरोक्षिन “एन” प्राप्त भारतीय दिनांक वेत भ्राक इडिया, वस्त्रहै की भेजना चाहिए।

खण्ड-५—विविध अवधारणाएं

(१) अनुवान सहायता का उपयोग करने की रिपोर्ट

आयातक को पोतवान से सम्बन्धित जारी की गई ए/पी के बाब और उसके मद्देव किए गए भुगतान और बकाया बची हुई धनराशि के विषय में एक मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा और लेखा परीक्षक नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित मंत्रालय य०सी०ओ० बैंक बिल्डिंग, संघव मांग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

(२) आयातक को जारी कि वे इन अनुदान सहायता के अन्तर्गत, भाल के आयात के लिए उन विशेष अवधारणाओं से संभरक को अवधारण करने वाले जो समझोते का पालन करते में संभरकों पर प्रभाव बाल सकती हैं।

(३) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरवाचित नहीं होगी, विवादों से निपटने की शर्तें डेके की शर्तों में शामिल होनी चाहिए। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा भुगतान करने से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली मार्त मार्यातक द्वारा “भुगतान की मार्त” के प्रत्यागत अनुबन्ध-१ में स्पष्ट रूप से लिखनी चाहिए। विवाद के निपटारे से सम्बन्धित उपबन्ध संविधान की शर्तों में शामिल किए जाएं।

(४) अवध्य अनुबंध

आयात या उसके सम्बन्ध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से सम्बन्धित और जापान से 1970-80 के लिए अनुवान सहायता के अन्तर्गत सभी आमारों को पूरा करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों, अनुदेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना चाहिए।

(५) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खालों में निर्धारित की गई शर्तों के प्रतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-नियंत्रित (नियन्त्रण) प्रविनियम के प्रशीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

(६) अनुबंधों की सूची

- प्रनुबन्ध-१ ए/पी जारी करने के लिए
- प्रनुबन्ध-२ ए/पी का प्रपत्र

अनुबन्ध-I

भुगतान प्राप्तिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना-नक्श

दिनांक

देवा में,

सहायता लेखा सथा लेखा परीक्षक,

विस्त मंत्रालय,

आर्थिक कार्य विभाग,

य०सी०ओ० बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,

पालिनियोंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय:—1979-80 के लिए जापान अनुवान सहायता के अन्तर्गत आयात

से सिवार्ड सुविधाओं के नियन्त्रण के लिए मर्मीनरी/कालत् पुर्वे,

और भारत में पत्तनों पर मरीनी/फालतू पुजों के यात्रायात के लिए
आवश्यक सेवाओं का आयात।

महोदय,

अपर उल्लिखित अनुशान सहायता के अन्तर्गत जापान से उपर्युक्त
मरीनी और फालतू पुजों के आयात के सम्बन्ध में सम्बद्ध जापानी
संभरक के नाम में बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान प्राधिकार-पत्र
जारी करने के लिए हम निम्नलिखित अधीरे प्रस्तुत करते हैं :—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह
तारीख जिस तक वैध है।
- (ग) प्राप्ति के तरीके—इस यह सीधे कद या ओपरारिक खुले
ग्रास्टरिष्ट्रीय निविदा पर आधारित है। इसके सामग्रे में यदि
कोई कारण हो तो कारण सहित यह संकेतित होना चाहिए
कि क्या संविदा का निर्वय उपर्युक्त न्यूनतम तकनीकी प्रस्ताव
के आधार पर किया गया है।
- (घ) भारतीय आयातक का नाम और पता
- (ङ) माल का उद्दाम देश
- (च) संविदा का कुल लागत-बोमा-भाषा मूल्य (येन में)
- (छ) यदि कोई हो तो भारतीय रपए में भुगतान की जाने वाली
भारतीय एजेंट कमिशन की घनराशि
- (ज) कुल लागत-बोमा-भाषा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान
प्राधिकार-पत्र की आवश्यकता है।
- (झ) जापानी संभरकों के साथ संविदा का नाम एवं दिनांक
- (झ) जापानी संभरक का नाम और पता और एक पात्रता प्रमाण-पत्र
(दो प्रतियों में) संलग्न करें।
- (ट) वे भुगतान जारे और संभावित तिथि जिनको संविदा के अन्तर्गत
भुगतान देय होंगे।
- (ठ) सुपुर्वी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।
- (ठ) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के समय दिए जाने वाले
वस्तावेज (प्रत्येक सेटी की संख्या और उनका निपटान दिखाते
हुए)।
- (इ) पोतलदान अनुदेश (वाहनान्तरण/पार्ट शिपमेंट की अनुमति दी
गई है या नहीं निदिष्ट कीजिए)।
- (ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

भवदीय,

सं० एफ

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

(प्राधिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक—

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय:—1979-80 के लिए एक भ्रष्ट येन के जापान अनुशान सहायता
के अन्तर्गत सिवाई सुविधाओं के नियम के लिए माल और सेवाओं
का आयात/भुगतान के लिए प्राधिकार जारी करना।

प्रिय महोदय,

जापान के बैंक के साथ 18-8-1979 को किए गए समझौते की शर्तों
अनुसार जापान प्रत्यक्ष संबंधी—

(परिषिष्ट में दिए गए विवरणों के अनुसार) के नाम में
येन से प्रधिक नहीं घनराशि का भुगतान करने के लिए प्राधिकार जिया
जाता है।

2. हृष्टाना सम्भरक को इस भुगतान प्राधिकार-पत्र भी रसीद के
सम्बन्ध में सलाह और जापान सरकार, आयातक के बैंक, टोकियो में
भारतीय दूतावास और इस मंत्रालय को इस सलाह की एक प्रति प्रत्येक
को प्रेषित की जाए।

3. ए/पी के अनुसार संभरकों को भुगतान परिषिष्ट में यथा निर्दिष्ट
पोतलदान वस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. आयातक द्वारा जापानी सुधार योग्य वस्तावेज रखने और
विवेशी संभरकों, बैंकों का खर्च, यदि कोई हो तो उसके साथ अर्थ बैंक
खर्चों में आयातक बैंक द्वारा सीधे ही निवारित किए जाएंगे।

5. जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत पोतलदान वस्तावेजों के आधार पर
जब भी आपने कोई भुगतान किया है तो इसकी सूचना इस मंत्रालय और
आयातक के बैंक को निर्वारित प्रति पत्र में जेजी चाहिए।

6. इस मंत्रालय से विवेशी प्राधिकारी की अनुपस्थिति में इस ए/पी
के लिए किसी संशोधन के लिए सलाह नहीं दी जाए।

7. यह भुगतान प्राधिकार-पत्र—तक वैध रहेगा।

भवदीय,
लेखाधिकारी

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक ————— को उनके पत्र संबंधी—
दिनांक ————— के संदर्भ में।

2. आयातक का बैंक ————— उनसे निवेदन किया
जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो बैंक से वस्तावेज प्राप्त
करने पर संभरकों की येन के बराबर भवया जमा करने की व्यवस्था करें।
संभरकों को चुकाई गई घनराशि के बराबर रपए की गणना सार्वजनिक
सूचना संख्या-8-प्रार्टीटीसी (पीएन)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी
सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार संभरकों
को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रतिलिपि परिवर्तन की मिश्रित दर
पर की जाएगी। संभरकों को भुगतान करने की तिथि से सरकार के नेत्रे
में तुल्य रपया जमा करने की तिथि तक की व्यवस्था के लिए सार्वजनिक
सूचना सं०-4-प्रार्टीटीसी(पीएन)/76 दिनांक 16-6-76 के अनुसार पहले
30 दिनों के लिए 9% वार्षिक दर पर और इससे व्यधिक की गणना की
गई व्यवस्था के लिए 15% की दर से व्याज भी सरकारी लेखों में जमा
करना होगा। व्याज दोनों दिनों के लिए दिया जाना है पर्याप्त वह तिथि
जिसको संभरकों को भुगतान किया जाता है। और वह तिथि भी जिसको
सरकारी लेखों में रपया जाना है व्यवस्था के लिए जमा की जाता है। इस दर में यदि कोई
परिवर्तन किया गया तो तुरंत उसकी सूचना दी जाएगी। यह सुनिश्चित
कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमा-शूलक निकासी के लिए आयात
वस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह घनराशि जमा की जाती
है।

मेरे घनराशियों या तो रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट
बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी शाखा, दिल्ली में जमा करने चाहिए या
स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसकी अनुबंधी संस्थाओं या
किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ
इंडिया, तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (प्राविष्ट और आदाता) के नाम
में और उसको वेय दर्जनी हृष्टी के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध
में जापान का व्यान सार्वजनिक सूचना संख्या-233-प्रार्टीटीसी (पीएन)/68,
दिनांक 24-10-1968, संख्या-132-प्रार्टीटीसी (पीएन)/71, दिनांक
5-10-1971, संख्या-74-प्रार्टीटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 वैय

संख्या-103-प्राइटीसी(यीएन)/76, दिनांक 12-10-78 की घोषी की ओर विज्ञाप्त जाता है। नेहा यीवे जिसमें धनराशि जमा की जाएगी वह 'के विपाजिट्स एण्ड इंजिनियरिंग-843 सिविल विपाजिट्स फार परवेजिस एटसेट्रा एंड परवेजिस ब्राउन ब्राउन एंड फार 1979-80 धनराशि विदेह ईड' वन विलियन ग्रास्ट एंड फार परवेज ब्राउन ग्रूप्स एण्ड सर्विसेज फार वि कम्पनीजन ब्राक ईरिंगेशन फैसिलिटीज़।

जिस मामलों में तुल्य रूपया विवेक बैक भौंक इंडिया, नई विल्सन या स्टेट बैक ब्राक इंडिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना संख्या-132-प्राइटीसी(यीएन)/71, दिनांक 5-10-1971 के धनराशि नकद जमा किया जाता है उनमें आलान की भूत रूप से एक प्रतिलिपि बैक ब्राक इंडिया, टोकियो शास्त्रा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए धनराशि पन्न सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी:—

सहायता नेहा तथा नेहा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय (आधिक कार्य विभाग),
पहली मंजिल, यूसुओ बैक विल्डिंग,
संसद मार्ग, नई विल्सन।

जिस मामले में तुल्य रूपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-1968 में यथा उल्लिखित दायेंनी हृष्णी द्वारा प्रवित करता है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जाती चाहिए। सभी मामलों में व्याज की चुकाई गई धनराशि और जिस धनराशि के लिए व्याज की गणना की गई है उसके साथ जमा किए गए तुल्य रूपए का पूरा अंश इस विभाग को भेजना चाहिए।

सम्मुद्रपार संभरक के बैकर के खर्चों सहित यदि कोई हो तो, बैकिंग खर्चों और बैक ब्राक इंडिया, टोकियो शास्त्र के धन्य खर्च इंडियन बैक और बैक ब्राक इंडिया, टोकियो शास्त्र द्वारा सीधे ही निपारित किए जाएंगे।

4. भारतीय दूतावास, टोकियो।
5. धनराशि सर्विस (टीए) शास्त्रा, वित्त मंत्रालय, आधिक कार्य विभाग, नई विल्सन।

नेहाविकारी

MINISTRY OF COMMERCE & CIVIL SUPPLIES

(Department of Commerce)

PUBLIC NOTICE NO. 3-JTC(PN)/80

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 25th January, 1980

Subject :—Terms and conditions governing the issuance of import licences for import of (a) machinery for the construction of irrigation facilities and (b) services necessary for the transportation of the machinery to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1979-80.

File No. IPC/39/18/78.—The terms and conditions governing the issuance of import licences for import of (a) machinery for the construction of irrigation facilities and (b) services necessary for the transportation of the machinery to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1979-80 of Yen One billion (1,00,00,000) as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

C. VENKATARAMAN, Chief Controller of Imports & Exports

APPENDIX

Licensing Conditions for import of (a) machinery for the construction of irrigation facilities and (b) services necessary

for the transportation of the machinery to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1979-80 of Yen One billion (1,00,00,000).

Section I—General Conditions

I (i) The Japanese Grant Aid for 1979-80 of Yen one billion (CIF) is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of machinery, accessories, spare parts and services necessary for the transportation thereof to ports in India.

I (ii) The import licences should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 1,055 billion (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen one billion Japanese Grant Aid for 1979-80". Out of the aggregate amount of Yen 1,055 billion, Yen 55 million represents Indian Agency Commission payable in Indian rupees. The licence code for the first and second suffix will be "S/JN".

I (iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agents Commission if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (iv) The machinery, accessories & spare parts should be procured only from Japan under this Grant Aid.

I (v) The import licences will be issued on CIF basis with an initial validity upto 31-3-1980. In case the licensee needs further extension, the licensee should submit to the CCI&E a proposal seeking an extension in the validity period of the Import Licence alongwith full justification and explanation as to why the shipment and payments could not be completed within the initial validity period. Such requests should invariably be referred by the CCI&E to the Under Secretary (T.C.) Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi for consideration.

I (vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

'delivery to be completed by 15-3-1980.'

I (vii) The contract value (CIF basis only) should be expressed in Yen (fraction of yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost, freight and insurance amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I (viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals. A certificate (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

Section II—The following provision should be specifically incorporated in the supply contract :—

II (i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 5th Nov., 1979 between the Government of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen one billion for 1979-80 and will be subject to the approval of both the Governments.

II (ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorisation to pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1979-80.

II (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II (iv) The Japanese supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved.

and notify the Embassy of India, at least four weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III Contract Approval by Governments of India and Japan.

III (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (T.A.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi 4 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for Issue of A/P" in the form at Annex I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its voice.

III (ii) The Ministry of Finance (DEA) T.C.M. Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1979-80 of Yen one billion, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A simultaneously.

III (iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the T.C.M. Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importer's Bank in India and T.C.M. Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III (iv) On receipt of the Authorisation to Pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importers' Bank in India and the CAA&A.

III (v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV—Responsibility for rupee deposit

IV (i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (C) in Annexure-I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 9 per cent per annum for the first thirty days and at 15 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese Supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-76. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposits is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalents of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in

CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or a may be noticed by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advance 843-Civil Deposits-Deposits for purchases etc., abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan" for 1979-80, Grant for purchase of the goods/services for construction of Irrigation facilities.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi 6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968 and No. 132-ITC(PN)/71 dated 1-10-1971 No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 3-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.
(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents

Note:—Importer's Banks in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V.—Miscellaneous provisions

V(i) Reports on the utilisation of the Grant Aid :

The importer should send a monthly report after the A/P

has been issued regarding shipments, and payments made thereagainst and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transactions.

V(iii) Disputes :

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute if any, that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provisions dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V(iv) Future Instructions :

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1979-80 from Japan.

V(v) Breach or violation :

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

V(vi) List of Annexures :

Annexure I.—Request for issue of A/P.

Annexure II.—Form of A/P.

"REQUESTS FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY"

No.

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street, New Delhi-110001.

Subject.—Import of machinery/spare parts, for the construction of irrigation facilities ; and services necessary for the transportation of the machinery/spare parts to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid for 1979-80.

Sir,

In connection with the import of above-mentioned machinery and spare parts from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese Supplier concerned :—

(a) Name and address of Indian importer.

(b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.

(c) Method of procurement--whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons if any.

(d) Brief description of the goods.

- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross CIF value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net CIF Value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Name and date of the contract with Japanese Suppliers.
- (j) Name and Address of the Japanese Supplier and attach an eligibility certificate (in duplicate).
- (k) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo indicating No. of sets of each and their disposal.
- (n) Shipment instructions (indicate if transhipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of the Importer's bank in India.

Yours faithfully,

No. F.

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

TO

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject :—Import of goods and services for construction of Irrigation facilities under Japanese Grant Aid of Yen one billion for 1979-80. Issue of Authorisation to pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated _____ entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen _____ to M/s. _____ as per details given in the Appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. Banking charges including charges for handling documents, and charges of Overseas, Suppliers, Bankers if any, payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

5. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importer's bank.

6. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

7. This A/P will remain valid upto _____

Yours faithfully,
Accounts Officer.

Copy forwarded to :—

1. Importer _____ with reference to their letter No. _____ dated _____.

2. Importer's Banker _____ They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with

the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 9% per annum for the first thirty days and at the rate of 15% per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India account in terms of Public Notices No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese Supplier and also the date on which rupee deposit is made into Government account. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

3. These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi or the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payer). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 and 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is 'K-Deposits and Advances-843-CIVIL Deposits-Deposit for purchases etc. abroad Purchases under Grant Aid from Government of Japan for 1979-80 under detailed head' One billion grant aid for purchase of goods and services for the construction of irrigation facilities.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the S.B.I., Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the Bank of India, Tokyo Branch.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary (TA) Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi

Accounts Officer.